Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

राजकीय महाविद्यालय आनी

स्थित हरिपुर, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

GOVERNMENT DEGREE COLLEGE, ANI AT HARIPUR

ESTD. 2006

तेजस्विनावधीतमस्तु

मातृभाषा परिषद

Scanned with OKEN Scanner

राजकीय महाविद्यालय आनी

स्थित हरिपुर, जिला कुल्लू (हि.प्र.)

GOVERNMENT DEGREE COLLEGE, ANI AT HARIPUR

ESTD. 2006

मातृभाषा परिषद

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

MY NET TV

डिजिटल समाचार

निष्पक्ष,निर्भीक,निश्छल

Saturday 21st February 2026

website: mynettv. online

राजकीय महाविद्यालय आनी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम हुआ आयोजित

विनय गोस्वामी /आनी। राजकीय महाविद्यालय आनी में शनिवार,21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मातृभाषा परिषद द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि तथा लोक संस्कृति के संवर्द्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले हुक्म चंद बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

महाविद्यालय मातृभाषा परिषद के अध्यक्ष प्रो. निर्मल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय मातृभाषा परिषद का उद्देश्य बहुभाषावाद तथा सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण एवं संवर्द्धन करना है। इसी श्रृंखला में शनिवार, 21 फ़रवरी 2026अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर मातृभाषा परिषद ने अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। छात्रों ने काव्य पाठ, लोक गीत एवं गाथा गायन द्वारा मातृभाषा एवं लोक संस्कृति के संरक्षण का संकल्प लिया। महाविद्यालय की छात्रा यश्वरी, रनिका, सुनिधि चौहान, रिया शर्मा, रुचिता ने पहाड़ी बोली में कविता पाठ करके पहाड़ी बोली के महत्व से सबको अवगत कराया। विवेक, गौरव एवं प्रिया ने जत्ती गायन द्वारा शिवरात्रि पर्व के सांस्कृतिक एवं पौराणिक निहितार्थ स्पष्ट किए। रिया शर्मा, डिंपल शर्मा, निधि शर्मा, आरती शर्मा ने बाह्य सराज के विवाह संस्कार गीत गाकर सबको भाव विह्वल कर दिया। विशिष्ट अतिथि हुक्म चंद ने अपने व्याख्यान में छात्रों को अपनी मातृभाषा एवं लोक संस्कृति से जुड़ने की अपील की।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. दायक राम ठाकुर ने बताया कि मातृभाषा दिवस का उद्देश्य मातृभाषा के महत्व को बढ़ावा देना और भाषाई विविधता को संरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा हमारी संस्कृति और विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. नरेंद्र पॉल, अधीक्षक गोपाल शर्मा, डॉ. संगीता नेगी, प्रो. पंपी घामटा सहित मातृभाषा परिषद के समस्त सदस्य एवं अन्य छात्र उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

काव्य पाठ, लोकगीत व गाथा गायन से गूंजा महाविद्यालय आनी

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विशेष कार्यक्रम का किया आयोजन, छात्रों ने लिया संस्कृति संरक्षण का संकल्प

राम शर्मा। सच्चा एक्सप्रेस।
आनी

राजकीय महाविद्यालय आनी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर महाविद्यालय मातृभाषा परिषद द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ताराक राम ठाकुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि लोक संस्कृति के संवर्धन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवक चंद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मातृभाषा परिषद के अध्यक्ष प्रो. निर्मल सिंह ने बताया कि परिषद का मुख्य उद्देश्य बहुभाषावाद तथा सांस्कृतिक विविधता का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु परिषद द्वारा काव्य पाठ, लोकगीत एवं गाथा गायन जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्राओं बबली, रंजिता, सुनिधि चौहान, रिया शर्मा और रश्मिता ने पहाड़ी बोली में कविता पाठ कर मातृभाषा के महत्व को रेखांकित किया। वहीं विवेक, कौशल एवं रिया ने अपनी शब्द प्रस्तुत कर हिमाचल पर्व के सांस्कृतिक एवं पौराणिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। रिया शर्मा, डिंपल शर्मा, निधि शर्मा तथा आरती शर्मा ने बाह्य सराज क्षेत्र के पारंपरिक विवाह संस्कार गीत गाकर कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया।

विशिष्ट अतिथि युवक चंद ने अपने संबोधन में छात्रों से अपनी मातृभाषा एवं लोक संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की। प्राचार्य डॉ. ताराक राम ठाकुर ने कहा कि मातृभाषा हमारी संस्कृति और विरासत का अभिन्न अंग है। इन्होंने छात्रों को अपनी भाषा पर गर्व करने और भाषाई विविधता के संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रो. नरेंद्र पाल, अधीक्षक गोपाल शर्मा, डॉ. संजीव नेगी, प्रो. गीता शर्मा सहित मातृभाषा परिषद के समस्त सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मातृभाषा के संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

कांगड़ा में चाइल्ड ट्रैफिकिंग गैंग का पर्दाफाश: गोद लेने के नाम पर ठगी व तस्करी का जाल, पंजाब से पकड़े गए महिला और पुरुष

कांगड़ा। कांगड़ा जिले के [illegible] क्षेत्र संसारपुर टैरेस में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय बच्चा तस्करी और ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पंजाब के विभिन्न जिलों से एक पुरुष और महिला को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर बच्चों को गोद दिलाने के नाम पर तस्करी का नेटवर्क चला रहे थे। मामले का खुलासा तब हुआ जब संसारपुर टैरेस निवासी रोहित कुमार और उनकी पत्नी ने बच्चा गोद लेने के लिए संपर्क किया। आरोपी दीपक कुमार ने बच्चे की व्यवस्था करने के नाम पर उनसे 23,500 रुपए की मांग की। शुरुआती तौर पर रोहित ने 12,000 रुपए आरोपी के बैंक खाते में जमा करवा दिए, लेकिन बाद में उन्हें [illegible] ठगी का शक हुआ। रोहित ने सतर्कता दिखाते हुए तुरंत [illegible] के डीएसपी राज कुमार को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एसपी [illegible] के निर्देशानुसार थाना प्रभारी [illegible] की अगुवाई में एक विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और बैंक डिटेल्स का पीछा करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी 40 वर्षीय दीपक कुमार (निवासी [illegible] कांगड़ा) को जालंधर से दबोच लिया। गहन पूछताछ में 47 वर्षीय रितु (निवासी [illegible], पंजाब) का नाम सामने आया, जो इस नेटवर्क के जरिए बच्चों को आगे बेचने का काम करती थी।

राजकीय महाविद्यालय आनी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विशेष कार्यक्रम

काव्य पाठ, लोकगीत और गाथा गायन से गूंजी पहाड़ी बोली, छात्रों ने लिया संस्कृति संरक्षण का संकल्प